This question paper contains **2** printed pages]

LB—173—2024

FACULTY OF ARTS

B.A. (First Year) (Second Semester) EXAMINATION

APRIL/MAY, 2024

हिंदी (ऐच्छिक)

Paper III

(कथा साहित्य)

(Monday, 15-4-2024) **Time : 10.00 a.m. to 12.00 noon**

Time—Two Hours *Maximum Marks*—50

N.B. :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के आगे अंक दिए गए हैं।

1. प्रेम और पारिवारिक दायित्व के द्वंद्व में फंसी नारी की व्यथा 'पचपन खम्भे लाल दीवारें' इस उपन्यास के माध्यम से व्यक्त होती है, स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

'सुषमा' का चरित्र-चित्रण स्पष्ट कीजिए।

2. 'पचपन खम्भे लाल दीवारें' उपन्यास की कथावस्तु लिखिए। 10

अथवा

'नील' का चरित्र-चित्रण स्पष्ट कीजिए।

3. 'आज इंसान बनना अत्यंत जरूरी है', 'सबसे कठिन काम' कहानी के आधार पर समझाइए। 10

अथवा

'कोशी का घटवार' कहानी की मूल संवेदना लिखिए।

P.T.O.

X114YBD46DCX114YBD46DCX114YBD46DCX114YBD46DC

4. भूख और गरीबी की वेदना का दर्दभरा चित्रण 'साहब फिर कब आएँगे, माँ' कहानी में किस तरह व्यक्त हुआ है, समझाइए। 10

अथवा

'निर्वासित' कहानी का आशय समझाइए।

5. टिप्पणी लिखिए :

(क) 'पचपन खम्भे लाल दीवारें' की सुषमा की माँ। 5

अथवा

'पचपन खम्भे लाल दीवारें' उपन्यास की मीनाक्षी।

(ख) 'गृहप्रवेश' कहानी की 'लक्ष्मी'। 5

अथवा

'अकाल मृत्यु' कहानी की मूल संवेदना।

X114YBD46DCX114YBD46DCX114YBD46DCX114YBD46DC